मेट्रो-3 के भूमिगत मार्ग का काम लगभग पूर्ण

मुंबई (प्रतिनिधि), कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज मेट्रो-3 मार्ग पर मुंबई सेंट्रल मेट्रो स्टेशन पर भूमिगत मार्ग का 41 वां चरण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस कार्य के फलस्वरूप मेट्रो-3 परियोजना के कुल भूमिगत कार्य का 98.60 प्रतिशत कार्य पूर्ण

हो चुका है। महालक्ष्मी से मुंबई सेंट्रल तक अप लाइन का काम जोरों पर है और अक्टूबर में पूरा हो जाएगा। दरअसल मेट्रो-3 परियोजना एक भूमिगत परियोजना है और इस मार्ग पर अधिकांश काम पूरा हो चुका है। परियोजना को 2020 में यात्री सेवा में शामिल होना था। हालांकि इस रूट पर कारशेड की समस्या अभी भी अनसुलझी है। इसलिए परियोजना की समय सीमा बढ़ रही है। इस मार्ग पर भूमिगत समेत अन्य कार्य जोरों पर हैं। महालक्ष्मी मेट्रो स्टेशन से मुंबई सेंट्रल मेट्रो स्टेशन तक 832.5 मीटर भूमिगत मार्ग को 555 रिंगों की मदद से 262 दिनों में पूरा किया गया। मेट्रो-3 के अंतर्गत इस चरण में पांच स्टेशन हैं और यह लाइन का सबसे लंबा चरण है। इनमें मुंबई सेंट्रल, महालक्ष्मी, साइंस म्यूजियम, आचार्य अत्रे चौक और वर्ली मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। भूमिगत मार्ग के पांच चरणों को पूरा किया जा चुका है। इनमें विज्ञान संग्रहालय से वर्ली अप लाइन - 2072 मीटर, डाउन लाइन 2057 मीटर, विज्ञान संग्रहालय से महालक्ष्मी अप लाइन 1117.5 मीटर, डाउन लाइन 1135.5 मीटर और महालक्ष्मी से मुंबई सेंट्रल डाउन लाइन 832.5 मीटर शामिल हैं। एसवीआर श्रीनिवास महानगर आयुक्त एमएमआरडीए ने बताया कि कोलाबा से सीप्ज तक मेट्रो-3 कॉरिडोर का पूरा डाउनलाइन बेसमेंट बनकर तैयार हो गया है।